8:27

ताज़ा ख़बरें

ADVERTISEMENT

• Young Riders Are Choosing The CB35 RS For A Reason(CB350 RS) Learn More

उदासीनता

फतेहपुर, संवाददाता। लोकतंत्र में मतदान को अधिकार के साथ-साथ जिम्मेदारी भी माना जाता है, लेकिन स्नातक संसदीयकी चुनाव में जिले के लाखों में अधिकांश मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं किया। शुक्रवार को हुए मतदान में 17,596 पंजीकृत मतदाताओं में से केवल 47.20 प्रतिशत ने ही वोट डाला, जबकि 52.80 प्रतिशत मतदाता मतदान केंद्रों तक नहीं पहुंचे। कम मतदान के पीछे मतदाता सूची में नाम और अन्य विसंगतियों में गड़बड़ी, चुनाव के प्रति उदासीनता और पात्र स्नातकों को मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने के प्रति जागरूकता की कमी जैसे कारण माने जा रहे हैं।



जीजीआईसी में प्रीसाइडिंग के साथ मतदान के बाद बाहर निकलती सदर शिक्षामित्र।

मतदाता सूची में क्रमांक 108 पर नाम के स्थान पर "पर आली के पास है" दर्ज था। वहीं, पते या अन्य विवरणों में गड़बड़ी के कारण भी कुल मतदाताओं को मतदान करने में परेशानी का सामना करना पड़ा होगा। इसके अलावा, स्नातक निर्वाचन की प्रक्रिया और इसके महत्व की जानकारी का अभाव भी मतदान प्रतिशत कम रहने का एक कारण हो सकता है। प्रबुद्ध वर्ग के लोगों का मानना है कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने, पात्र स्नातकों को मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने के लिए जागरूक करने और चुनाव की प्रक्रिया पहुंचने में भविष्य में मतदान प्रतिशत बढ़ाने में मदद मिल सकती है।



पिछले स्नातक चुनाव की तुलना में इस बार मतदान प्रतिशत संतोषजनक रहा है। भाजपा प्रत्याशी की जीत तय है। कुछ मतदान केंद्रों पर सपा नेताओं ने बूथ कैप्चरिंग करने की कोशिश की, जिसका विरोध करते हुए उनकी मांग को विफल कर दिया गया। सपा नेताओं द्वारा की गई झूठी शिकायतें उनकी हार की हताशा को दर्शाती है। -अन्नू श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष भाजपा



अधि... हुआ... जीत तय है। ... अधिकतर मा... करने का प्रय... एजेंटों को बा... और सीसीटी... गए। इस मामले को अत्यंत ग... निर्वाचन अधि... कार्रवाई कर... सुरेन्द्र सिंह, ...

ADVERTISEMENT



Scanned with CamScanner